Organizing Committee

Dr. Vikramjit Singh
Patron & Principal,
Dayanand College,
Hisar

Dr. Vivek Srivastava
Convenor & Head
Department of Biotechnology

Organizing Secretaries

Dr. Aditya Kumar **Dr. Hemant Sharma**
Dr. Chhavi **Dr. Raj Rani**
Dr. Asha Rani

Dr. Ritu Saharan
In-charge (Biotechnology Association)

Laboratory Staff

Mr. Chander Hans **Mr. Radhey Shyam**

Venue :
Room No. 118

Accredited with A++ Grade by NAAC

Dayanand College, Hisar

Department of Biotechnology

Organizes

One Day WorkShop on

Animal Tissue Culture And Its Applications

(20-03-2026; 10:00 AM)

Keynote Speaker :
Dr. Pawan Kumar
Assistant Professor
Department of Animal Biotechnology, LUVAS

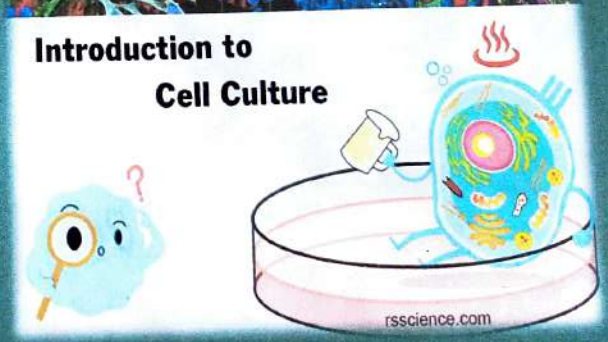

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 21-03-2026

डीएन कॉलेज में एनिमल टिशू कल्चर पर कार्यशाला, तकनीकों की दी जानकारी

हिसार | कार्यक्रम के दौरान मौजूद सदस्य।

हिसार | दयानंद महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान व कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार उपस्थित रहे।

उन्होंने एनिमल टिशू कल्चर की मूल अवधारणाओं, तकनीकों और विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक चिकित्सा, वैक्सीन निर्माण, कैंसर अनुसंधान, औषधि परीक्षण और कृत्रिम अंग विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को इस तकनीक के दैनिक जीवन में महत्व से अवगत कराया और मुख्य वक्ता का परिचय दिया। बायोटेक्नोलॉजी एसोसिएशन की प्रभारी डॉ. रितु सहारण ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. राज रानी, डॉ. आशा रानी और ज्योति का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, डॉ. मीनाक्षी, गरिमा और शुभम सहित बॉटनी व जूलॉजी विभाग के शिक्षक उपस्थित रहे।

समस्याओं के समाधान पर आश्वासन, धरना उठा

हिसार | हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की पब्लिक हेल्थ ब्रांच हिसार का फील्ड कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग पर शुक्रवार को सातवें दिन भी सांकेतिक धरना जारी रहा। कार्यकारी अभियंता, मंडल नंबर 3 के मॉडल टाउन स्थित कार्यालय के समक्ष धरने की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान अशोक कुमार ने की तथा संचालन ब्रांच सचिव राकेश शर्मा ने किया।

ब्रांच सचिव राकेश शर्मा ने बताया कि धरने के दौरान कार्यकारी अभियंता ने यूनियन शिष्टमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत में यूनियन शिष्टमंडल ने फील्ड कर्मचारियों की समस्याओं को उठाया। कार्यकारी अभियंता ने इंसुलेटेड शूज, बकाया वेतन के भुगतान व साबुन तेल पर सहित कई अन्य मांगों का 24 मार्च तक समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि कार्यकारी अभियंता के आश्वासन पर यूनियन ने 25 मार्च तक धरना स्थगित करने का निर्णय लिया। यदि 25 मार्च तक समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 26 मार्च से पुनः धरना देंगे।

डीएन कॉलेज में एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन

पांच बजे न्यूज

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर एक विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पवन कुमार, सहायक प्राध्यापक, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में एनिमल टिशू कल्चर की मूल अवधारणाओं, तकनीकों तथा इसके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह तकनीक चिकित्सा, वैक्सीन निर्माण, कैंसर अनुसंधान, औषधि परीक्षण तथा अंगों के कृत्रिम विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में एनिमल टिशू कल्चर और उसके दैनिक जीवन में महत्व को स्पष्ट किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय भी कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और उन्हें समसामयिक वैज्ञानिक विषयों की जानकारी प्रदान करते हैं। बायोटेक्नोलॉजी एसोसिएशन की प्रभारी डॉ. रितु सहारण ने कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें विषय की गहन समझ प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन की अध्यक्ष सुश्री पलं सहारण द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जबकि अंत में एसोसिएशन के सचिव श्री दीपांशु ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. राज रानी, डॉ. आशा रानी एवं ज्योति का विशेष सहयोग रहा। साथ ही लैब अटेंडेंट चंद्रहंस व राधेश्याम ने भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर बॉटनी एवं जूलॉजी विभाग के शिक्षकगण डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, डॉ. मीनाक्षी, गरिमा तथा शुभ भी उपस्थित रहे।

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 21 मार्च : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर एक विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पवन कुमार, सहायक प्राध्यापक, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में एनिमल टिशू कल्चर की मूल अवधारणाओं, तकनीकों तथा इसके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह तकनीक चिकित्सा,

वैक्सीन निर्माण, कैंसर अनुसंधान, औषधि परीक्षण तथा अंगों के कृत्रिम विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में एनिमल टिशू कल्चर और उसके दैनिक जीवन में महत्व को स्पष्ट किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय भी कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और उन्हें समसामयिक वैज्ञानिक विषयों की जानकारी प्रदान करते हैं। बायोटेक्नोलॉजी एसोसिएशन की प्रभारी डॉ. रितु सहारण ने कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें विषय की गहन समझ प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन की अध्यक्ष सुश्री पल्लं सहारण द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जबकि अंत में एसोसिएशन के सचिव श्री दीपांशु ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. राज रानी, डॉ. आशा रानी एवं ज्योति का विशेष सहयोग रहा। साथ ही लैब अटेंडेंट श्री चंद्रहंस एवं श्री राधेश्याम ने भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर बॉटनी एवं जूलॉजी विभाग के शिक्षकगण डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, डॉ. मीनाक्षी, गरिमा तथा शुभम भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर व्याख्यान का लाभ उठाया। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

डीएन कॉलेज में एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन

पांच बजे न्यूज

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एनिमल टिशू कल्चर एवं इसके अनुप्रयोग विषय पर एक विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. पवन कुमार, सहायक प्राध्यापक, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में एनिमल टिशू कल्चर की मूल अवधारणाओं, तकनीकों तथा इसके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह तकनीक चिकित्सा, वैक्सीन निर्माण, कैंसर अनुसंधान, औषधि परीक्षण तथा अंगों के कृत्रिम विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में एनिमल टिशू कल्चर और उसके दैनिक जीवन में महत्व को स्पष्ट किया तथा मुख्य वक्ता का परिचय भी कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं और उन्हें समसामयिक वैज्ञानिक विषयों की जानकारी प्रदान करते हैं। बायोटेक्नोलॉजी एसोसिएशन की प्रभारी डॉ. रितु सहारण ने कहा कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें विषय की गहन समझ प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन की अध्यक्ष सुश्री पलं सहारण द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जबकि अंत में एसोसिएशन के सचिव श्री दीपांशु ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. राज रानी, डॉ. आशा रानी एवं ज्योति का विशेष सहयोग रहा। साथ ही लैब अटेंडेंट चंद्रहंस व राधेश्याम ने भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर बॉटनी एवं जूलॉजी विभाग के शिक्षकगण डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. छवि मंगला, डॉ. मीनाक्षी, गरिमा तथा शुभम भी उपस्थित रहे।

Accredited with A++ Grade by NAAC
DAYANAND COLLEGE, HISAR-125 001
दयानन्द महाविद्यालय, हिसार–125 001
Ph. No. 01662-270989, 233136
Website : www.dnc.ac.in, E-mail : principal.dnchsr@gmail.com

Ref. No. DN/1/10/8241

Dated 02/04/2026

The Incharge,
Botanical Garden,
CCS Haryana Agricultural University,
Hisar

Sub: Educational Visit of B.Sc. 1st and Final year students of Biotechnology.

Dear Sir/Madam,

Kindly allow an educational visit of B.Sc. 1st and Final Year Biotechnology students of this college, to your department on 06.04.2026 at 10:00 a.m.

The students are interested in observing botanical garden.

Dr. Ritu Saharan and Dr. Raj Rani, Assistant Professor of Biotechnology of this college shall accompany with students as Teacher Incharge.

Kindly allow and oblige.

Thanking you,

Yours faithfully

Principal

डीएन कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया हकृवि के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बी.एससी. प्रथम वर्ष एवं तृतीय वर्ष बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पौधों की विविधता, संरक्षण, औषधीय महत्व तथा मैक्रोप्रोपेगेशन एवं हार्डनिंग के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। भ्रमण को रवाना करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों एवं जैव विविधता के महत्व को समझने का अवसर मिलता है तथा वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनते हैं। इस अवसर पर डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वनस्पति उद्यान जैसे स्थान विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाए गए सिद्धांतों को वास्तविक रूप में देखने और समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विभिन्न औषधीय पौधों, सजावटी पौधों, दुर्लभ प्रजातियों एवं उनके वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने पौधों के संरक्षण, जैव विविधता के महत्व तथा बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पौधों की भूमिका पर भी विस्तार से जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान वनस्पति उद्यान के प्रभारी डॉ. सुभाष काजला ने विद्यार्थियों को विभिन्न पौधों की प्रजातियों, उनके उपयोग, संरक्षण तकनीकों तथा मैक्रोप्रोपेगेशन एवं हार्डनिंग की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विभिन्न औषधीय पौधों, कैक्टस गार्डन, हर्बल गार्डन एवं सजावटी पौधों का अवलोकन किया और उनसे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान डॉ. राज रानी एवं डॉ. रितु सहारण विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के भ्रमण आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।

डीएन कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया हकृवि के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण

नभ-छोर न्यूज ⏭ 07 अप्रैल

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बी.एससी प्रथम वर्ष एवं तृतीय वर्ष बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पौधों की विविधता, संरक्षण, औषधीय महत्व तथा मैक्रोप्रोपेगेशन एवं हार्डनिंग के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान को व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों एवं विविधता के महत्व को समझने का अवसर मिलता है तथा वे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनते हैं। इस अवसर पर डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि वनस्पति उद्यान जैसे स्थान विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाए गए सिद्धांतों को वास्तविक रूप में देखने और समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विभिन्न औषधीय पौधों, सजावटी पौधों, दुर्लभ प्रजातियों एवं उनके वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. सुभाष काजला ने विद्यार्थियों को विभिन्न पौधों की प्रजातियों, उनके उपयोग, संरक्षण तकनीकों तथा मैक्रोप्रोपेगेशन एवं हार्डनिंग की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने विभिन्न औषधीय पौधों, कैक्टस गार्डन, हर्बल गार्डन एवं सजावटी पौधों का अवलोकन किया और उनसे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस दौरान डॉ. राज रानी एवं डॉ. रितु सहारण विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहीं।

अमर उजाला

Hisar City

08-04-2026

विद्यार्थियों ने एचएयू के वनस्पति उद्यान में जैवविविधता को जाना

एचएयू के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण करने पहुंचे विद्यार्थी। स्रोत : आयोजक

माई सिटी रिपोर्टर

दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के प्रथम एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने मंगलवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया।

प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों को रवाना करते हुए कहा कि इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान को विस्तार देने में मददगार होते हैं। यह उन्हें प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करते हैं, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी बनाते हैं। डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को वनस्पति उद्यान में विभिन्न औषधीय, सजावटी पौधों और दुर्लभ प्रजातियों का वैज्ञानिक महत्व बताया। वनस्पति उद्यान के प्रभारी डॉ. सुभाष काजला ने पौधों की विविधता, संरक्षण, औषधीय महत्व, और मैक्रोप्रोपेगेशन की व्यावहारिक जानकारी दी।

अमर उजाला

Hisar City

08-04-2026

विद्यार्थियों ने एचएयू के वनस्पति उद्यान में जैवविविधता को जाना

एचएयू के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण करने पहुंचे विद्यार्थी। स्रोत : आयोजक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के प्रथम एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने मंगलवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वनस्पति उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया।

प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों को रवाना करते हुए कहा कि इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों के ज्ञान को विस्तार देने में मददगार होते हैं। यह उन्हें प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करते हैं, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी बनाते हैं। डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को वनस्पति उद्यान में विभिन्न औषधीय, सजावटी पौधों और दुर्लभ प्रजातियों का वैज्ञानिक महत्व बताया। वनस्पति उद्यान के प्रभारी डॉ. सुभाष काजला ने पौधों की विविधता, संरक्षण, औषधीय महत्व, और मैक्रोप्रोपेगेशन की व्यावहारिक जानकारी दी।

दयानंद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

CCSHAU

नवग्रह वाटिका
Department of Botany and Plant Physiology
GPS Map Camera
Hisar, Haryana, India
Shop No. 6, Shopping Centre, New Complex, Ccs, Haryana Agricultural University, Hisar, Haryana 125004, India
Lat 29.142019° Long 75.712057°
Monday, 06/04/2026 10:54 AM GMT +05:30
Google

Accredited with **A++** Grade by NAAC

DAYANAND COLLEGE, HISAR-125 001

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार–125 001

Ph. No. 01662-270989, 233136

Website : www.dnc.ac.in, **E-mail** : principal.dnchsr@gmail.com

ESTD : 1950

Ref. No. DN/17/10/7789 Dated 23/02/2026

The Head,
Department of Animal Biotechnology,
College of Veterinary Science,
LUVAS, Hisar

Sub: Educational Visit of M.Sc. II Year Biotechnology Students.

Kindly allow an educational visit of M.Sc. Final Year Biotechnology students of this college, to your department on 25.02.2026 at 10:30 a.m.

The students are interested in observing laboratories and technologies of Animal Biotechnology.

Kindly allow and oblige.

Thanking you,

Yours faithfully

Teacher Contigent Incharges
1). Dr. Ritu Saharan.
2) Dr. Rajrani

Forwarded.

Srivastava
24/02/2026.
(Dr. Vivek Srivastava)
HOD, Biotechnology

Principal

Accredited with **A++** Grade by NAAC

DAYANAND COLLEGE, HISAR-125 001

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार–125 001

Ph. No. 01662-270989, 233136

Website : www.dnc.ac.in, **E-mail** : principal.dnchsr@gmail.com

ESTD : 1950

Ref. No. DNM/10/7796 Dated 23/02/2026

The Head,
Department of Animal Biotechnology,
College of Veterinary Science,
LUVAS, Hisar

Sub: Educational Visit of B.Sc. II Year Biotechnology Students.

Kindly allow an educational visit of B.Sc. I Year Biotechnology students of this college, to your department on 25.02.2026 at 10:30 a.m.

The students are interested in observing laboratories and technologies of Animal Biotechnology.

Kindly allow and oblige.

Thanking you,

Teacher Contigent Incharges.
1) Dr. Rajrani
2) Dr. Ritu Saharan.

Yours faithfully

Principal

Forwarded:
Srivastava
24/02/2026.
(Dr. Vivek Srivastava)
HOD, Biotechnology

AnyScanner

AnyScanner

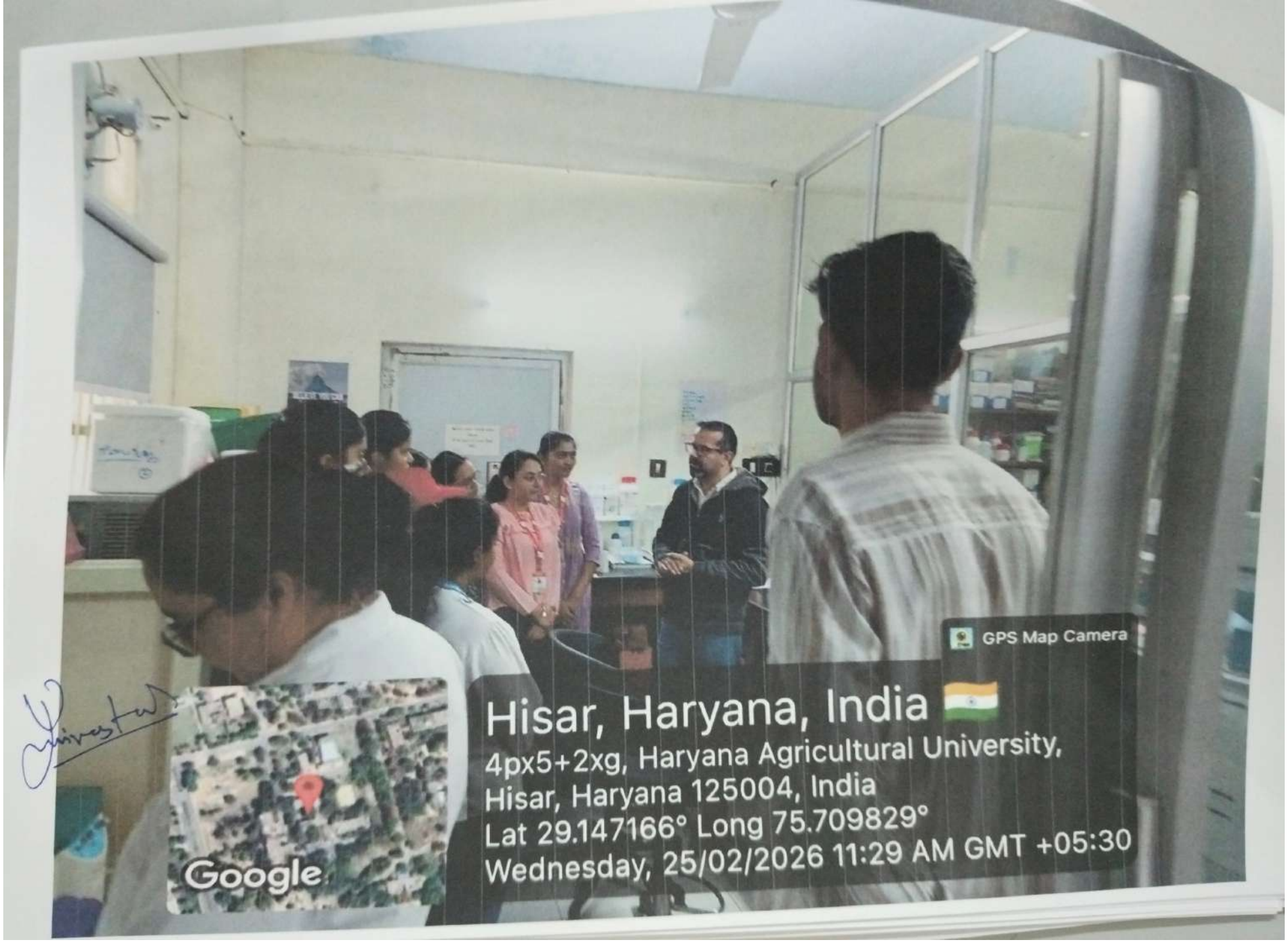
GPS Map Camera
Hisar, Haryana, India
4px5+2xg, Haryana Agricultural University,
Hisar, Haryana 125004, India
Lat 29.147166° Long 75.709829°
Wednesday, 25/02/2026 11:29 AM GMT +05:30
Google

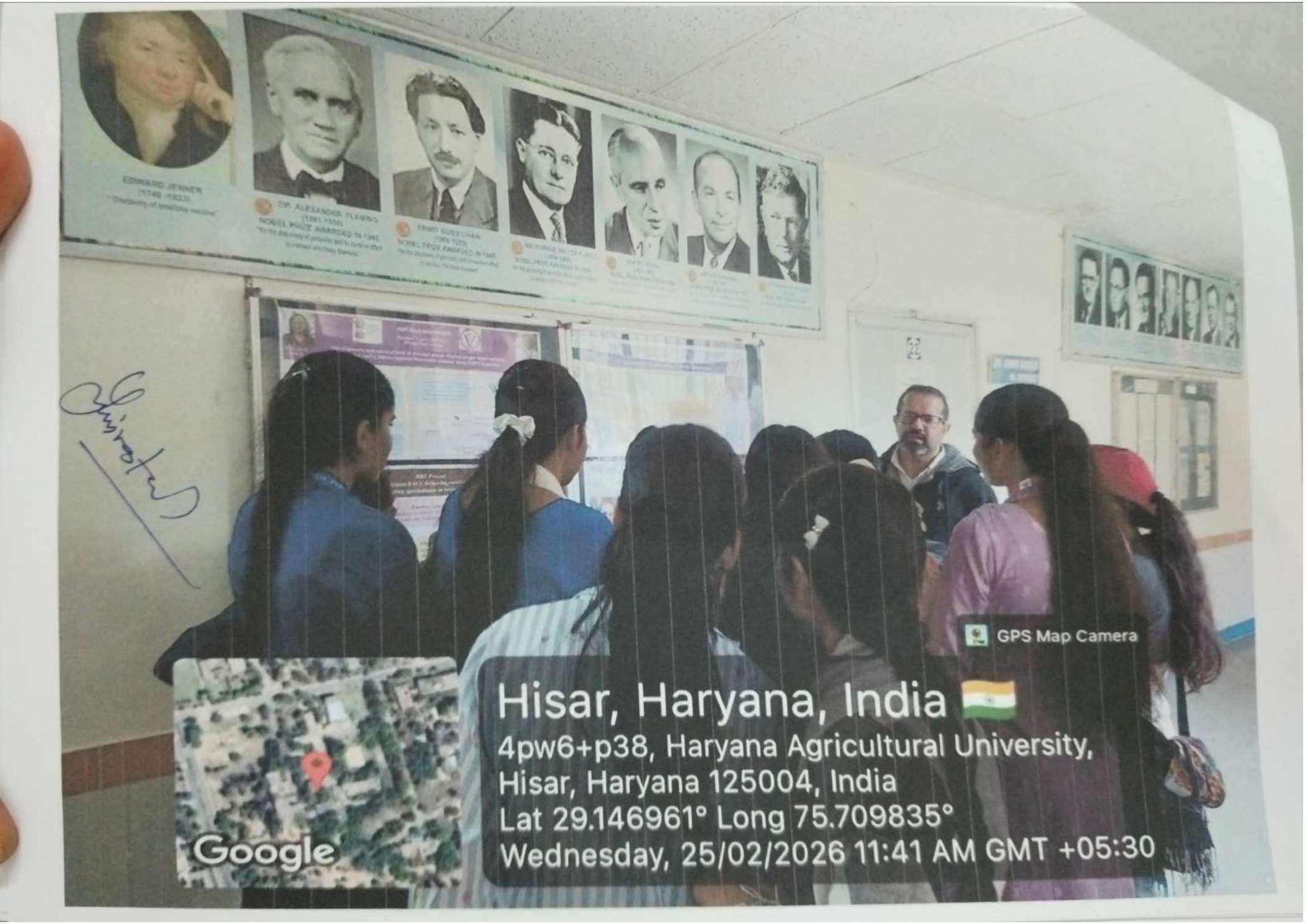

EDWARD JENNER
DR. ALEXANDER FLEMING
GPS Map Camera
Hisar, Haryana, India
4pw6+p38, Haryana Agricultural University,
Hisar, Haryana 125004, India
Lat 29.146961° Long 75.709835°
Wednesday, 25/02/2026 11:41 AM GMT +05:30
Google

AnyScanner

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के बायोटेक्नोलॉजी विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 27 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बी.एससी. द्वितीय वर्ष एवं एम.एससी. द्वितीय वर्ष बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग, लुवास में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पशु जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान, आधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों एवं अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराना था। भ्रमण को रवाना करते हुए कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. यशु राय ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्रयोगात्मक अनुभव से जोड़ने का अवसर मिलता है तथा विद्यार्थियों में अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरे भ्रमण के दौरान अनुशासन बनाए रखने एवं अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विभाग द्वारा आयोजित शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हैं और उन्हें विषय की व्यावहारिक समझ प्रदान करते हैं। उन्होंने पशु ऊतक संवर्धन (एनिमल टिशू कल्चर), जीन अभियांत्रिकी, स्टेम सेल अनुसंधान तथा विभिन्न आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की दैनिक जीवन, चिकित्सा, पशुपालन एव अनुसंधान के क्षेत्र में उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, शोध एवं बायोटेक्नोलॉजी उद्योग मे उपलब्ध करियर अवसरों की जानकारी देते हुए निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान डॉ. राज रानी एव डॉ. ऋतु सहारण विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रयोगशालाओं, उपकरणो एवं कार्य प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताया।

SCAN AnyScanner

DAYANAND COLLEGE, HISAR
FACULTY OF LIFE SCIENCES

Organizes Invited Lecture on

Career Opportunities in Life Sciences

Eminent Speaker:-

Dr. S.K. Gahlawat
Sr. Professor & Chairperson
Department of Biotechnology
Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

On: 3rd April, 2026
At: 11:00 a.m.
Venue: Conference Room (118)

Dr. Vikramjit Singh
Patron & Principal

Dr. Vivek Srivastava
Professor & Head of Dept.

Dr. Chhavi Mangla
Assistant Professor
In-Charge
(Life Science Association)

Organizing committee

Dr. Aditya Kumar
Dr. Raj Rani
Dr. Meenakshi Jindal
Ms. Garima
Mr. Shubham
Dr. Hemant Sharma
Dr. Ritu Saharan
Dr. Asha Rani
Dr. Shweta
Ms. Jyoti

Laboratory Staff

Mr. Chander Hans
Mr. Manoj
Mr. Lalit
Mr. Radhey Shyam
Mr. Vivek

Dayanand College Hisar

Dayanand College Hisar

पंजाब केसरी
PunjabKesari.com
DELHI

संक्षिप्त समाचार

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक : विक्रमजीत

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में करियर के अवसर विषय पर आयोजित एक विस्तार व्याख्यान में भाग लेते विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण।

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के जीव विज्ञान संकाय द्वारा लाइफ साइंसेज में करियर के अवसर विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर संभावनाओं से अवगत कराना था। यह व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ तथा इससे उन्हें भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपने संबोधन में इस प्रकार के व्याख्यानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने करियर का सही चुनाव कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में सहायक होते हैं। साथ ही उन्होंने ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया। प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ उनके दृष्टिकोण को भी व्यापक बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चैधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. एस. के. गहलावत उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।